



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 287] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 15, 1990/कार्तिक 24, 1912
No. 287] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 15, 1990/KARTIKA 24, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 नवंबर, 1990

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/90 :- 10.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (तीसरा निर्गम), 10.75 प्रतिशत ऋण, 2000 (तीसरा निर्गम), 11.25 प्रतिशत ऋण, 2005 (तीसरा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (तीसरा निर्गम) के लिए कुल 1500 करोड़ रुपये या यथासंभव उमके निकट की कुल राशि के बाबदे 26 नवंबर, 1990 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में और/या भारत सरकार के 9.00 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 26 नवंबर 1990 को छुड़ी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उम राज्य के संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1500 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर नकदी में आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक

आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 1995 को सममूल्य पर प्रतिवेद्य 10.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (तीसरा निर्गम)।

- (1) वापसी अदायगी की तारीख :- ऋण 11 जून, 1995 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य :- प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज :- इस ऋण की ब्याज दर 26 नवंबर, 1990 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 26 नवंबर, 1990 से 10 दिसंबर, 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसंबर, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून, और 11 दिसंबर, को अदा किया जायेगा। इस प्रकार धरा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 2000 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.75 प्रतिशत ऋण, 2000 (तीसरा निर्गम)

- (1) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 11 जून, 2000 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 26 नवंबर, 1990 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। 26 नवंबर, 1990 से 10 दिसंबर, 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसंबर, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसंबर को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 2005 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.25 प्रतिशत ऋण, 2005 (तीसरा निर्गम)

- (1) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 11 जून, 2005 को सम मूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 26 नवंबर, 1990 से वार्षिक 11.25 प्रतिशत होगी। 26 नवंबर, 1990 से 10 दिसंबर 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसंबर, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसंबर को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 जून, 2010 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (तीसरा निर्गम)

- (1) वापसी अवधि की तारीख—ऋण 11 जून, 2010 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 26 नवंबर, 1990 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 26 नवंबर, 1990 से 10 दिसंबर, 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसंबर, 1990 को अदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसंबर को अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

7. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की कुल राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिये पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचा या उससे अधिक पैसे की अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

परिवर्तन की शर्तें

8. 9.00 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियाँ नये ऋणों में सममूल्य पर परिवर्तन के लिए स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियों पर ब्याज 23 अक्टूबर, 1990 तक और उसके सहित 9.00 प्रतिशत की दर से अदा किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 32 दिन (अर्थात् 24 अक्टूबर, 1990 से 25 नवंबर, 1990 तक) के लिए नयी प्रतिभूतियाँ जारी करने समय, यथास्थिति, आवेदनित नये ऋण अर्थात् 10.50 प्रतिशत, 10.75 प्रतिशत, 11.25 प्रतिशत या 11.50 प्रतिशत की दर के अनुसार प्रस्तावित ब्याज अदा किया जायेगा।

पूरक थापस्थाएँ

9. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखळा), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएँ।

10. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

11. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अवधिगत ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिनपर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक परा जगू होने वाली न्यूनतम दर पर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र प्रस्तुत करके कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

12. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इनके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80D के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

13. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

14. प्रतिभूतियाँ केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

15. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदन पत्र रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिये।

16. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उन कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की अदायगी का अपेक्षा करता है।

17. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि राकदा या चेक और/या 9.00 प्रतिशत अण, 1990 की प्रतिभूतियों, जो परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जा रही है, के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राहरित किये जाने चाहिए। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ धारक द्वारा सरकार का निम्न प्रकार अंतरित की जानी चाहिए—

(i) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण त्रिलेख के फार्म पर किसी साक्षी के सभ्य हस्ताक्षर करके।

(ii) यदि बचतपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार से पृष्ठांकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति की भ्रदा करें”।

18. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत अण आवेदनपत्रों पर किये गये प्राबंटनों पर तथा दानों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी सुहरयुक्त अण आवेदनपत्रों पर किये प्राबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (माकेतिक) 6 पैसे की दर पर बलाजी भ्रदा की जायेगी। बैंक-प्राणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिधानों के लिए बलाजी की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,
श्रीमती जानकी कठपालिया, संयुक्त सचिव

दलाल की सुहर और पता

आवेदन का फार्म

मैं हम*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ

रु.

(

रुपये) के लिए

नकदी*

रु.

(

रुपये) के सांकेतिक मूल्य की

चेक

9.00 प्रतिशत अण, 1990 की प्रतिभूतियाँ प्रस्तुत करना हं/करते हैं और यह अनुरोध करता हं/करते हैं कि मुझे/हमें* स्टॉक प्रमाणपत्र/मेरे/हमारे एस. जी. एल. आते* में जमा के रूप में रु. _____ के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत अण, 1995 (तीसरा निर्गम)*/10.75 प्रतिशत अण, 2000 (तीसरा निर्गम)* 11.25 प्रतिशत अण, 2005 (तीसरा निर्गम)* 11.50 प्रतिशत अण, 2010 (तीसरा निर्गम)* की प्रतिभूतियाँ जारी की जाएँ।

2. मैं हम. चाहता हं/चाहते हैं कि उनका व्याज _____ में भ्रदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी—इस आते में आवेदक कुछ न लिखे।

प्रविष्टियाँ आदाना कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

हस्ताक्षर—

	प्राबधर	दिनांक	पूरा (पूरे) नाम
आवेदनपत्र में			
“दलाली नहीं” सुहर			
नकदी प्राप्ति होने की तारीख			पता
चेक वसूल होने की तारीख			
विशेष धातु आते में जमा करने की तारीख			
जाँच की गयी			
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया			
दलालों रजिस्टर में दर्ज किया गया			
मांग पत्र मं.			
प्रतिभूति मं.			
कार्य मं.			
वाउचर प्राप्ति करने की तारीख			दिनांक—नवंबर, 1990

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियाँ: (1) परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक/कों के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ प्रेषित किया जाए—

“भारत के राष्ट्रपति को भेदा करें” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये अंतरण विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें/करें।

- (2) प्रत्येक ऋण और अपेक्षित नये ऋण के प्रत्येक प्रकार के अधिदान के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- (4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं:
 - (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
 - (ii) कंपनी/निकाय के बहिनियमों और अंतनियमों या नियमों और विनियमों उप-नियमों को प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
 - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (5) आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छाहूँ ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th November, 1990

No. F. 4(5) W&M/90.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1995 (Third Issue), 10.75 per cent. Loan, 2000 (Third Issue), 11.25 per cent. Loan, 2005 (Third Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2010 (Third Issue) for an aggregate amount of Rs. 1500 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash and/or securities of Government of India 9.00 per cent. Loan, 1990 on the 26th November 1990 upto the close of banking hours. In the event of 26th November 1990 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1500 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent. Loan, 1995 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 percent, and redeemable at par on the 11th June 1995.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June, 1995.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. per annum from 26th November

1990; Interest for the period from 26th November 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 10.75 per cent. Loan, 2000 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June 2000.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2000.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent. per annum from 26th November 1990. Interest for the period from 26th November 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.25 per cent. Loan, 2005 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 11th June 2005.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June, 2005.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.25 per cent, per annum from 26th November, 1990. Interest for the period from 26th November 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. 11.50 per cent. Loan, 2010 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 11th June, 2010.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th June 2010.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent, per annum from 26th November 1990. Interest for the period from 26th November 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraph 11 and 12 below, be liable to tax under the Indian-tax Act, 1961.

7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

CONVERSION TERMS

8. The Securities of 9.00 per cent. Loan, 1990 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities tendered for conversion will be paid at the rate of 9.00 per cent, upto and inclusive of 23rd October 1990. In addition, anticipatory interest for 32 days (i.e. from 24th October 1990 to 25th November 1990) will be paid according to the rate of interest of the new loan applied for i.e. 10.50 per cent, 10.75 per cent, 11.25 per cent or 11.50 per cent per annum, as the case may be, at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

9. Applications will be received at :

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Main branches of the State Bank of India at DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

10. Place of payment of interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

11. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on an application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

12. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

13. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

14. The Securities will be issued in the form of stock only.

15. Applications for the loans—Applications for the Loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

16. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

17. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque and/or securities of the 9.00 per cent Loan, 1990 which is being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

(i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :

“Pay to the President of India”.

18. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks, on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,
Mrs. JANAKI KATHPALIA, Jt. Secy.

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

FORM OF APPLICATION

I/We*
(Full Name(s) in Block Letters)

.....herewith tender*

Cash Rs.....(Rupees)
Cheque for

*Securities of 9.00 per cent Loan, 1990 of the nominal value of Rs.....;Rs.(.....)
and request that Securities of 10.50 per cent Loan, 1995 (Third Issue)*/10.75 per cent Loan, 2000 (Third Issue)*/ 11.25 per cent Loan
2005 (Third Issue)*/11.50 per cent Loan, 2010 (Third Issue)* of the nominal value of Rs.....may be issued to
me/us* in the form of Stock Certificate*/credit to my/our* S.O.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at.....

N.B.— The applicant should not write anything in this case. The entries will be filled in by the Receiving Office		Signature(s)
Application No.	Initials Date	Name(s) in full..... (Block Letters)
N.B. Stamp		Address
Cash received on		
Cheque realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		
Cash Applications Register posted.....		
Brokerage Register posted		
Indent No.		
Scrip No.		
Card No.		Dated the.....
Voucher passed on		of November, 1990

*Delete what is not required.

Note (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant's, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer endorsed on the reverse should be signed by him/them before, a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

-
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the Company/body.
- (iii) Certified copy of resolution in favour of the person's authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on stock certificate's issued to them.

